

# त्वक

Dr. Savita  
Assistant Professor  
Dept. of Kriya Sharir

# Course Outcomes

Understand the Ayurvedic concept of Tvak as an Upadhatu of Rasa Dhatu.

Correlate Ayurvedic description of Tvak with modern anatomy of skin.

Explain functions of Tvak in health and disease.

Recognize clinical importance of Tvak in Ayurveda & modern medicine.

# Program Outcomes

PO1: Knowledge of basic concepts of Ayurvedic anatomy & physiology.

PO2: Ability to correlate classical concepts with modern science.

PO3: Critical thinking & application in clinical practice.

PO4: Integration of Ayurvedic principles in patient care.

# Miller's Pyramid

Knows – Definition, layers, functions of Tvak.

Knows how – Explains Ayurvedic vs modern correlation.

Shows how – Applies in understanding diseases like Kushta, Tvak Vikara.

Does – Utilizes concept in diagnosis & treatment in practice.

# Tvak (त्वक्) – उपधातु of Rasa Dhatu

"रसस्य त्वक् उपधातुः"

रसधातु से उत्पन्न होने वाला उपधातु त्वचा (त्वक्) है।

Definition (परिभाषा):

त्वचा शरीर की वह आच्छादक परत है जो शरीर का आवरण, रक्षण एवं सौन्दर्य प्रदान करती है।

Importance: Protects, regulates, and gives external appearance.

# Layers of Tvak (सप्त त्वचा भेद)

"त्वक् सप्त विधा प्रोक्ता – अवभासिनी, लोहिता, श्वेता, ताम्रा, वेदिनी, रोहिणी, मांसधारा।"

1. अवभासिनी – चमक व आभा प्रदान करती है
2. लोहिता – रक्त से सम्बद्ध
3. श्वेता – वर्ण, रूप
4. ताम्रा – कण्ठ-मण्डल आवरण
5. वेदिनी – संवेदना
6. रोहिणी – क्षत-रोपण
7. मांसधारा – मांस आवरण

# Characteristics (लक्षण)

शरीर की रक्षा करना

वर्ण (complexion) देना

स्पर्श ज्ञान कराना

सौन्दर्य और आकर्षण देना

# उत्पत्ति प्रक्रिया

शरीर की रक्षा करना

वर्ण (complexion) देना

स्पर्श ज्ञान कराना

सौन्दर्य और आकर्षण देना रसधातु से पोषण द्वारा

मुख्य धातु = रक्त धातु

उपधातु = त्वक्

धातुपोषण प्रक्रिया अनुसार → रस धातु से आंशिक भाग अलग होकर त्वक् का निर्माण होता है।

# Functions of Tvak (कार्य)

शरीर का आच्छादन (covering)

रक्षण (protection)

ताप नियंत्रण (temperature regulation)

स्पर्श ज्ञान (sensation)

वर्ण व सौन्दर्य (complexion & beauty)

# Clinical Importance (चिकित्सीय महत्त्व)

त्वचारोग (कुष्ठ, श्वित्र, किलास)

पाण्डु, रक्तपित्त में वर्ण विकार

धातु क्षय से त्वचा की शुष्कता

सौन्दर्य शास्त्र में त्वक् का विशेष महत्त्व

# Modern Correlation

Epidermis = अवभासिनी, श्वेता परत

Dermis = वेदिनी, रोहिणी, मांसधारा

Hypodermis (subcutaneous tissue) = deeper supportive structure